विद्यालय परिचय

मनोरमा नदी के पावन तट पर स्थित हर्रैया में विद्यालय का शुभारम्भ 04 अप्रैल 2003 को सच्चा आश्रम नैनी इलाहाबाद के परम श्रद्धेय गुरू गोपाल दास जी महाराज के कर कमलों से हुआ। विद्यालय की स्थापना क्षेत्र के परम सम्मानीय एवं शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग देने वाले तथा उपराष्ट्रीय डॉ. वी.डी. जत्ती से राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त स्व० गजाधर सिंह तथा उनके छोटे भाई अंगद सिंह के नाम पर किया गया। विद्यालय का उद्देश्य शैक्षणिक रूप से पिछड़े क्षेत्र में छिपी प्रतिभाओं को सही मार्गदर्शन द्वारा निखारना है। विद्यालय में अनुशासन एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा योग्य शिक्षकों द्वारा प्रदान की जाती है। बच्चों आवागमन हेतु वाहन सुविधा भी विद्यालय द्वारा उपलब्ध है। विद्यालय को उत्तर प्रदेश बोर्ड द्वारा इण्टरमीडिएट तक की मान्यता वर्ष-2008 में प्राप्त हुई है। विद्यालय अपने अनुशासन एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा से निरन्तर विकास के पथ पर अग्रसर है। विद्यालय का स्थापना काल से ही परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहता है। समय-समय पर विभिन्न प्रतियोगी प्रतियोगी परीक्षाओं के बार में छात्र/छात्राओं को विद्यालय द्वारा जानकारी प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन तथा शैक्षणिक पर्यटन की व्यवस्था की व्यवस्था भी उपलब्ध है। विद्यालय को क्षेत्र के सम्मानित व्यक्तियों तथा अभिभावकों द्वारा मिलने वाला सहयोग उत्पन्न सराहनीय है।

वर्तमान युग प्रतियोगिताओं का युग है। समाज के प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धाएं हो रही है। इस प्रतिस्पर्धा ने जहां समाज के विकास में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। वहीं निराशा, कुण्ठा, अवसाद, आदि को भी बढ़ावा दिया है। सफलता से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है तथा इस सफलता को प्राप्त करने के लिए उचित मार्गदर्शन एवं कठिन परिश्रम दोनों ही आवश्यक है। वर्तमान समय में अभिभावकों, अध्यापक बन्धुओं एवं समाज के अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के दायित्व और भी अधिक बढ़ गये हैं। बच्चों का उचित समय पर उचित मार्ग दर्शन करना आवश्यक है। उनके अन्दर से डर, आशंका, आत्मविश्वास की कमी, नकारात्मक सोच को दूर करके उन्हें साहसी, आत्मविश्वासी, सकारात्मक विचारों वाला समाज के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार तथा उन्हें असफलताओं से लड़ने योग्य भी बनाना होगा तभी वे सफलता को प्राप्त कर सकते हैं।

छात्रों के लिए आवश्यक है कि वे अपनी ऊर्जा एवं क्षमता को व्यर्थ न करके अपना ध्यान, लक्ष्य पर ही केन्द्रित करते हुए कठिन परिश्रम करें। उन्हें सदैव ध्यान रखना चाहिए कि परिश्रम ही सफलता की कुंजी है और निरन्तर व्यवस्थित ढंग से परिश्रम करने पर सफलता अवश्य ही मिलती है।

मुझे पूर्ण आशा एवं विश्वास है कि यदि हम सब निरन्तर निष्ठा एवं त्यागपूर्वक अपने कर्तव्य का पालन करते रहेंगे तो निश्चय ही भविष्य में एक स्वच्छ एवं सुन्दर समाज का निर्माण कर सकेंगे।

सुभाष चन्द्र त्रिपाठी 'तिवारी जी'
प्रधानाचार्य
मो. 9415361393

सहयोगी संस्थान –

ब्रह्मदेव इन्द्रमती त्रिपाठी महिला डिग्री कालेज, हर्रैया-बस्ती

विज्ञान (अधिकतम् अंक 25)

कार्बन एवं उसके यौगिक (Carbon and its Compound), परमाणु की संरचना (Structure of Atom), सूक्ष्मजीव (Micro Organisms), खनिज एवं धातुएँ (Minerals and Metals), सामान्य रोग (Some Common Diseases), चुम्बकत्व (Magnetism), प्रकाश (Light)।

कक्षा एकादश (Class XI) हिन्दी (अधिकतम् अंक 25)

भाषा और व्याकरण, शब्दार्थ, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, कारक, समास-उपसर्ग, प्रत्यय, सन्धि, अनुच्छेद (निबन्ध), पत्र-लेखन।

अंग्रेजी (English - M.M. 25)

Analysis and knowledge of Tense, Transformation of Sentences, Voice, Narration, Synthesis, Letter Writing, Story & Essay writing, Unseen Passage of Prose and poetry, Composition, Translation etc.

गणित वर्ग हेतु - भौतिकी (30 अंक), रसायन (30 अंक) एवं गणित (40 अंक),
जीव विज्ञान वर्ग हेतु - भौतिकी (30 अंक), रसायन (30 अंक) एवं जीवविज्ञान (40 अंक),

OUR SCHOOL PRAYER

Almighty God!
Our loving father,
Bless us and make us
delight in our studies
Courteous and kind in our dealings
With our fellow students, teachers
and all elders, throughout this day
make it our pleasure in doing only
those acts which will bring us
No shame or a stigma to our institution
or a grief to those who love us.

नोटः- भौतिकी, रसायन, गणित/जीव विज्ञान का प्रश्न-पत्र पूर्व कक्षा के पाठ्यक्रम के आधार पर होगा।

OUR SCHOOL PLEDGE

I Pledge before God, whom I love and worship:

1. To be a worthy student of my school and abide by its rules.
2. To love and respect my parents and teachers and follow their guidance
3. To consider all the people of the world as my brothers and sisters for we are all creations of one God.
4. To work for the cause of world peace and happiness of the people.
5. To develop my mind in the sciences and the arts, and to let my religion guide me in all my actions.
6. To devote my talents to the service of humanity, for by this service shall I truly serve my Lord.
7. To show sincerity, trustworthiness and perseverance in all that I undertake to do.
8. To strive always for excellence and greater heights of achievement in my studies and try to grasp 100% knowledge of all my prescribed subjects.

अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यालय के गौरवशाली छात्र/छात्राएं

सत्र	हाईस्कूल	इण्टरमीडिएट
2010	अनूप कुमार शुक्ला	विवेक कुमार तिवारी
2011	दीपी सिंह	शुभम् गुप्ता
2012	स्वाति श्रीवास्तव	शिवानी गुप्ता
2013	तृप्ति सिंह	अन्नू कसौधन, ज्योति सिंह
2014	श्वेता शुक्ला	आनन्द कुमार सिंह
2015	सर्वेश वर्मा	किशन वर्मा, शिवम् सिंह
2016	प्रगति त्रिपाठी	सरोज वर्मा
2017	शिखा सिंह	सौम्या शुक्ला

G.S.A.S. Academy

Harraiya-Basti (U.P.)

Campus-2